दैनिक
जयवर्द्धन
पत्र पंजीयन संख्या RJBIL/26/A5478

पेज 4 पर पढ़े - दशलक्षण पर्व: रिद्धि मंत्रो के साथ हुआ भक्तामर विधान

वर्ष - 01 | अंक - 59 | राजसमंद - रविवार, 20 सितम्बर 2026 | मूल्य - 2 रुपया | मो.- 96729 80901 | पृष्ठ - 4

नगर निकाय आम चुनाव 2026 : प्रतिबंधात्मक आदेश की करनी होगी सख्त पालना

- विजय जुलूस निकाला तो होगी कार्रवाई, वाहनों के काफिले एवं आतिशबाजी पर भी पूर्ण प्रतिबंध
- सार्वजनिक स्थानों पर शक्ति प्रदर्शन, अनाधिकृत रूप से इकट्ठा होने एवं भीड़ एकत्रित करने की कोई अनुमति नहीं
- उत्तेजक नारेबाजी और तनाव उत्पन्न करने वाली सोशल मीडिया सामग्री के प्रसारण पर भी सख्ती

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। नगर निकाय आम चुनाव 2026 के दृष्टिगत जिले में लोक शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला मजिस्ट्रेट एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार हसीजा द्वारा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी प्रतिबंधात्मक आदेश की आमजन को पुनः जानकारी दी गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्वाचन परिणाम घोषित होने के पश्चात किसी भी निर्वाचित अभ्यर्थी, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, प्रत्याशी, समर्थक अथवा अन्य व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक स्थानों, सड़कों, बाजारों, चौराहों अथवा अन्य स्थानों पर विजय जुलूस निकालना, भीड़ एकत्रित कर शक्ति प्रदर्शन करना प्रतिबंधित है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि विजय जुलूस के साथ वाहनों के काफिले निकालने, पटाखे एवं आतिशबाजी करने तथा उत्तेजक नारेबाजी जैसी गतिविधियों की भी अनुमति नहीं होगी। निर्वाचन परिणाम चाहे किसी भी अभ्यर्थी अथवा पक्ष के पक्ष में हों, सभी संबंधित व्यक्तियों से प्रतिबंधात्मक आदेश की पूर्ण पालना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। किसी भी प्रकार की ऐसी गतिविधि नहीं की जाए, जिससे सार्वजनिक शांति, कानून व्यवस्था अथवा विभिन्न समूहों के मध्य सौहार्द प्रभावित होने की स्थिति उत्पन्न हो। आदेश के तहत सोशल मीडिया एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर भी ऐसी सामग्री का प्रसारण, साझा करना अथवा प्रचारित करना प्रतिबंधित है, जिससे विभिन्न समूहों के मध्य तनाव उत्पन्न होने अथवा कानून व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका हो। नागरिकों से अपील की गई है कि वे किसी भी भड़काऊ, आपत्तिजनक अथवा तनाव उत्पन्न करने वाली पोस्ट, वीडियो, संदेश या अन्य सामग्री को प्रसारित अथवा साझा नहीं करें। सोशल मीडिया का जिम्मेदारी एवं संयम के साथ उपयोग करें।

आतिशबाजी पर पूर्ण प्रतिबंध

जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन द्वारा प्रतिबंधात्मक आदेश की पालना पर सतत निगरानी रखी जाएगी। आदेश का उल्लंघन करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 एवं अन्य लागू प्रासंगिक विधिक प्रावधानों के तहत तत्काल विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी व्यक्ति को चुनाव परिणामों की घोषणा के पश्चात प्रतिबंधित गतिविधियों के माध्यम से कानून व्यवस्था प्रभावित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिला प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि नगर निकाय आम चुनाव 2026 की निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान एवं इसके उपरांत प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों की पूर्ण पालना करें। लोकतांत्रिक प्रक्रिया की गरिमा बनाए रखते हुए संयम एवं जिम्मेदारी का परिचय दें तथा ऐसी किसी भी गतिविधि से बचें, जिससे लोक शांति एवं सामाजिक सौहार्द प्रभावित हो। प्रशासन ने आमजन से सहयोग का आह्वान करते हुए कहा है कि कानून व्यवस्था एवं सार्वजनिक शांति बनाए रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। प्रतिबंधात्मक आदेश की पालना कर जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन का सहयोग करें तथा किसी भी प्रकार के विजय जुलूस, वाहन काफिले, आतिशबाजी अथवा उत्तेजक गतिविधि का हिस्सा न बनें।

थाने की चौखट से कानून की समझ तक पहुंचीं एकल महिला नेतृत्वकर्ता

- कुंभलगढ़ में पुलिस थाना भ्रमण आयोजित

जयवर्द्धन न्यूज़

कुंभलगढ़। जन विकास संस्था की अपराजिता परियोजना के तहत कुंभलगढ़ ब्लॉक की 25 एकल महिला नेतृत्व कर्ताओं के लिए पुलिस थाना भ्रमण का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को पुलिस थाने की कार्यप्रणाली, कानूनी प्रक्रियाओं तथा अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना और पुलिस व्यवस्था के साथ उनके संवाद को सहज व भयमुक्त बनाना था। थाना भ्रमण के दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को एफआईआर दर्ज कराने की पूरी प्रक्रिया सरल भाषा में समझाई। महिलाओं को बताया गया कि किसी भी घटना की शिकायत दर्ज कराना, सही जानकारी प्राप्त करना और आवश्यकता पड़ने पर पुलिस की सहायता लेना उनका संवैधानिक अधिकार है। इसके साथ ही वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराधों एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी के प्रति भी जागरूक किया गया। अधिकारियों ने अनजान लिंक पर क्लिक न करने, किसी के साथ भी ओटीपी या बैंक संबंधी गोपनीय जानकारी साझा न करने तथा ऑनलाइन ठगी की स्थिति में तत्काल साइबर हेल्पलाइन या पुलिस को सूचना देने की सलाह दी।

भयमुक्त होकर संवाद करने की अपील

संवाद सत्र के दौरान पुलिस अधिकारियों ने महिलाओं को खुलकर सवाल पूछने के लिए प्रोत्साहित किया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि किसी भी महिला को अपनी समस्या लेकर थाने आने में संकोच करने की आवश्यकता नहीं है। इस विजिट से महिलाओं में यह समझ विकसित हुई कि पुलिस थाना केवल अपराध के बाद की कार्रवाई का केंद्र नहीं, बल्कि कानूनी संरक्षण और सहायता प्राप्त करने का एक सुरक्षित स्थान है। कार्यक्रम में कुंभलगढ़ ब्लॉक के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों से चयनित 25 एकल महिला नेतृत्वकर्ताओं ने भाग लिया और अपने अधिकारों को लेकर अपनी समझ को मजबूत किया। आयोजन के सफल संचालन एवं समन्वय में अपराजिता परियोजना की फैसिलिटेटर सुनीता खटीक एवं दुर्गा गायरी की सराहनीय भूमिका रही। इस विजिट के माध्यम से महिलाओं में पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास बढ़ा और अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाने का आत्मविश्वास जागृत हुआ।

विकसित भारत जन सेवा अभियान शिविरः रोडवेज बसों की अनदेखी पर ग्रामीणों का फुटा आक्रोश

ज्ञापन देकर उठाई मांगें

जयवर्द्धन न्यूज़

देलवाड़ा। कस्बे के राउमावि सभागार में विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत ग्रामीण सेवा शिविर का आयोजन हुआ। शिविर में विभिन्न प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद रोडवेज बसों के कस्बे में न आने और बाईपास से सीधे निकल जाने को लेकर ग्रामीणों ने जमकर आक्रोश व्यक्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि राजस्थान रोडवेज की बसें मजेरा बाईपास से उदयपुर और नाथद्वारा के लिए सीधी निकल जाती हैं तथा देलवाड़ा कस्बे के बस स्टैंड पर नहीं आती हैं। इससे यात्रियों और ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शिविर में मौजूद राजस्थान रोडवेज के प्रशासनिक अधिकारी प्रहलाद सेन को ज्ञापन सौंपकर सभी रोडवेज बसों का कस्बे के बस स्टैंड तक नियमित संचालन शुरू करने की पुरजोर मांग की। रोडवेज समस्या के अलावा ग्रामीणों ने गांव में बारिश के बाद पनप रहे मच्छरों और फैल रही मौसमी बीमारियों पर नियंत्रण के लिए दवा छिड़काव कराने की मांग को लेकर भी ज्ञापन सौंपा। इसके अतिरिक्त मजेरा से कैलाशपुरी के मुणवास तक सड़क किनारे हो रहे अवैध अतिक्रमण को हटाकर डिवाइडर युक्त फोरलेन/मेगा सड़क बनाने की मांग रखी गई। शिविर के दौरान महिला अधिकारिता विभाग की अधिकारी राजस्वी मीणा एवं उषा यादव द्वारा केक काटकर बेटी जन्मोत्सव मनाया गया। शिविर की व्यवस्थाओं का निरीक्षण नाथद्वारा उपखंड अधिकारी भागीरथ सिंह एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी सुमन अजमेरा ने किया। इस दौरान शिविर प्रभारी व देलवाड़ा तहसीलदार हेमंत शर्मा, नाथद्वारा तहसीलदार घनश्याम, विकास अधिकारी नवीन गौड़, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक भूपेंद्र सिंह राठौड़, सहायक विकास अधिकारी वीरेंद्र छाजेड़, प्रशासक मांगीलाल कटारिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी तथा ग्रामीण मौजूद थे।

यूपीआई पर कांग्रेस का दुष्प्रचार देश की वित्तीय आत्मनिर्भरता पर सीधा हमला : विधायक माहेश्वरी

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। विधायक दीप्ति माहेश्वरी ने यूपीआई को लेकर कांग्रेस के दुष्प्रचार को तथ्यों से परे और जनता को भ्रमित करने वाली राजनीति बताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की पुरानी नकारात्मक राजनीति अब डिजिटल भारत की सफलता पर भी सवाल उठाने तक पहुंच गई है। यूपीआई भारत की तकनीकी क्षमता, वित्तीय आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास का प्रतीक है। ऐसी व्यवस्था के संबंध में आधी-अधूरी जानकारी फैलाकर भ्रम पैदा करना देशहित के साथ सीधा खिलवाड़ है। विधायक माहेश्वरी ने कहा कि अगस्त 2026 में यूपीआई के माध्यम से 24 हजार 501 करोड़ लेन-देन हुए, जिनका कुल मूल्य करीब 298 खरब रुपये रहा। व्यक्ति से व्यक्ति सभी यूपीआई लेन-देन पूरी तरह निःशुल्क रहेंगे, राशि चाहे कितनी भी हो। 2 हजार तक के व्यापारी भुगतान भी निःशुल्क हैं और लगभग 96 प्रतिशत व्यापारी लेन-देन वर्तमान व्यवस्था में प्रभावित नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को हर जनहितकारी और तकनीकी उपलब्धि में राजनीति खोजने के बजाय तथ्यों को समझना चाहिए। 2 हजार से अधिक के कुछ निर्धारित व्यापारी लेन-देन पर लागू एमडीआर न तो ग्राहक से वसूला जाने वाला शुल्क है और न ही सरकार द्वारा लगाया गया कर। इसके बावजूद इसे कर के रूप में प्रचारित करना जनता को भ्रमित करने का प्रयास है। कांग्रेस पार्टी प्रारंभ से ही यूपीआई का विरोध करती रही है, और अब बड़े लेनदेन पर नाम मात्र के शुल्क को मुद्दा बनाकर देश की जनता को गुमराह करने का प्रयास कर रही है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूपीआई और रुपे जैसी स्वदेशी व्यवस्थाओं ने भारत को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाई है। कांग्रेस की भ्रम और विरोध की राजनीति भारत की इस उपलब्धि को कमतर नहीं कर सकती।

नशामुक्ति जागरूकता के लिए नुक्कड़ नाटक का मंचनः नशे के विरुद्ध महायुद्ध से दिया नशामुक्त समाज का संदेश

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की रोकथाम तथा आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के लिए चलाए जा रहे नशामुक्त राजसमंद, नशामुक्त राजस्थान, नशामुक्त भारत एवं ऑपरेशन त्रिनेत्र अभियान के तहत दरीबा स्थित माइंस परिसर में नुक्कड़ नाटक नशे के विरुद्ध महायुद्ध का मंचन किया गया। कार्यक्रम में हिंदुस्तान जिंक दरीबा माइंस के सैकड़ों श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया। जिला कलेक्टर अरुण हसीजा, एसपी हेमंत कलाल एवं एएसपी महेंद्र पारीक के मार्गदर्शन में एनकोर्ड नशामुक्त भारत अभियान तथा ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत जिला प्रशासन, पुलिस और संबंधित विभागों के समन्वय से विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों, खनन क्षेत्रों व सार्वजनिक स्थानों पर निरंतर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जाह्नवी कला परिषद के अध्यक्ष व नुक्कड़ नाटक के निर्देशक मनोज पोरवाल ने बताया कि एसपी के निर्देशानुसार जिले के विभिन्न प्रतिष्ठानों एवं शैक्षणिक संस्थानों में विशेष जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। इसी क्रम में दरीबा स्थित एसके खेतान - लोकेशन पॉइंट पर जाह्नवी कला परिषद एवं सांवरिया एंटरप्राइजेज के कलाकारों ने नाटक का मंचन किया। नाटक के माध्यम से दर्शाया गया कि नशा न केवल व्यक्ति के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को नष्ट करता है, बल्कि उसके परिवार, आजीविका और सामाजिक जीवन को भी तबाह कर देता है। कलाकारों ने अपने जीवंत अभिनय से सभी को नशे से दूर रहने, समाज को जागरूक करने तथा मादक पदार्थों की अवैध बिक्री व तस्करी की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आह्वान किया।

वरिष्ठ अधिकारी और कलाकार रहे मौजूद

कार्यक्रम के दौरान राजपुरा-दरीबा माइंस के इकाई प्रमुख देवांश चटर्जी, खान प्रबंधक विजय शर्मा, एसके खेतान के मुख्य परियोजना अधिकारी ललित थानवी, मुख्य सुरक्षा अधिकारी विनोद चवरे सहित कर्मचारी और श्रमिक मौजूद थे। नाटक की प्रस्तुतकर्ता टीम में कलाकार पंकज सालवी, निर्देशक मनोज पोरवाड़, स्नेहा चूंडावत, महेंद्र कुमावत, मोनिका पालीवाल, कैलाश पालीवाल, मनीषा कुमावत, खुशी जोशी, डिंपल राठौड़, रानी राठौड़, शिवानी गायरी तथा रिया दीक्षित शामिल रहे। अंत में उपस्थित सभी लोगों को नशामुक्त समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने और संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी पुलिस को देने की शपथ दिलाई गई।

जयवर्द्धन सम्पादकीय

राष्ट्र की राह रोकती न्यायिक शिथिलता

सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या का विवरण रह-रहकर सामने आता ही रहता है। जब ऐसा होता है तो किसी न किसी स्तर पर चिंता व्यक्त की जाती है और फिर सब कुछ पहले की तरह ही चलने लगता है। देखना है कि हाल में आई एक रिपोर्ट पर देश के नीति-नियंता केवल प्रतिक्रिया ही व्यक्त करते हैं या फिर स्थितियों में सुधार के लिए कोई ठोस प्रयत्न भी करेंगे? इस रिपोर्ट के अनुसार देश के उच्च न्यायालयों में लंबित मामलों की संख्या 65 लाख से अधिक हो गई है। उच्च न्यायालयों में इतनी बड़ी संख्या में मुकदमों के लंबित होने का मतलब है कि हमारी न्यायिक व्यवस्था देश की प्रगति में आड़े आ रही है।

यह सभी को विदित होना चाहिए कि किसी भी देश और विशेष रूप से विकासशील देश में यदि त्वरित न्याय नहीं होगा तो सामाजिक स्तर पर तो कुंठा बढ़ेगी ही, नियम-कानूनों का समय पर सही तरह पालन भी नहीं हो पाएगा। यह स्थिति केवल जनता को निराश करने का ही काम नहीं करती, बल्कि आर्थिक प्रगति में अवरोध भी बनती है। समस्या केवल यह नहीं है कि उच्च न्यायालयों में बड़ी संख्या में मुकदमे लंबित हैं, समस्या यह भी है कि उच्चतम न्यायालय में भी लंबित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है और निचली अदालतों में भी। एक और विडंबना यह है कि एनसीएलटी और न्यायाधिकरणों मे भी लंबित मामले बढ़ रहे हैं।

यह कहना अनुचित नहीं होगा कि इनमें सरकार और कंपनियों अथवा शेयरधारकों के बीच के विवादित मसले जिस तरह उलझते और लंबे खिंचते रहते हैं, उससे भी स्थितियां बद से बदतर होती दिख रही हैं। कुल मिलाकर न्याय के किसी भी मंच पर समय पर न्याय मिलता कठिन होता जा रहा है।

हाई कोर्ट में लंबित मामलों की संख्या रेखांकित करने वाली रिपोर्ट के अनुसार सुप्रीम कोर्ट में ऐसी याचिकाएं आती रहती हैं, जिनमें उच्च न्यायालयों को मामले के शीघ्र निस्तारण का निर्देश देने की मांग की गई होती है। यह रिपोर्ट यह भी बता रही है कि उच्च न्यायालयों में सबसे अधिक लंबित मामले इलाहाबाद हाई कोर्ट और राजस्थान हाई कोर्ट में हैं। कुछ ऐसा ही हाल बंबई, मद्रास, कर्नाटक और मध्य प्रदेश हाई कोर्ट समेत अन्य उच्च न्यायालयों का भी है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में प्रत्येक न्यायाधीश की बेंच को औसतन डेढ़-दौ सौ मामलों की सुनवाई करनी होती है, लेकिन लंबित मामलों की भारी संख्या एक समस्या बनी हुई है। सुप्रीम कोर्ट की समस्या यह है कि वह उच्च न्यायालयों को किसी मामले की शीघ्र सुनवाई के लिए निर्देश नहीं दे सकता। इसका कारण यह है कि यदि वह कुछ मामलों में ऐसा करेगा तो उसके यहां ऐसी याचिकाओं का तांता लग जाएगा, जिनमें मामलों के शीघ्र निस्तारण की मांग की जाएगी।

अच्छा होगा कि हमारे नीति-नियंता यह समझें कि वर्तमान न्याय प्रणाली आम जनता से लेकर कारपोरेट जगत और यहां तक कि शासन-प्रशासन की अपेक्षाओं पर खरी नहीं उतर पा रही है। समस्या केवल इतनी ही नहीं है कि न्यायाधीशों की कमी है। समस्या न्यायालयों में संसाधनों के अभाव की भी है। एक अन्य समस्या न्यायिक तौर-तरीकों की भी है। इन तरीकों के चलते ही तारीख पर तारीख का सिलसिला कायम हो जाता है। इस समस्या का समाधान तब तक नहीं होगा, जब तक सरकार, न्यायाधीश और वकील उसके निस्तारण के लिए आपस में मिलकर सक्रिय नहीं होते।

इस समस्या को लेकर सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीशों के साथ कार्यपालिका और विधायिका के शीर्ष पदों पर बैठे लोग भी अपनी चिंता व्यक्त कर चुके हैं, लेकिन देश की व्यवस्था से जुड़े तीनों अंग अर्थात न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका के बीच समस्या के समाधान के उपायों पर सहमति नहीं बन पा रही है। सभी को समय पर न्याय सुलभ कराने में धन के अभाव से अधिक राजनीतिक इच्छाशक्ति का अभाव जिम्मेदार है। यदि न्यायपालिका और कार्यपालिका समय पर न्याय देने के उपायों को लेकर सहमति नहीं कायम कर पातीं तो न्यायिक तंत्र में सुधार होना कठिन ही है।

राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) का जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन सम्पन्न

- शिक्षकों की लंबित मांगों व समस्याओं के समाधान को लेकर प्रेषित ज्ञापन

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राजस्थान शिक्षक संघ (अम्बेडकर) ने प्रदेश के शिक्षकों, विद्यार्थियों और शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न लंबित समस्याओं के समाधान को लेकर मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री के नाम ज्ञापन प्रेषित किया है। संगठन के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के समापन पर जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल करोतिया की अध्यक्षता में आयोजित बैठक के दौरान दो दिवसीय गतिविधियों की समीक्षा की गई, जिसके बाद शिक्षकों के लंबित प्रकरणों पर सकारात्मक निर्णय लेने का आग्रह किया गया। ज्ञापन में विद्या संबल योजना में संविधान सम्मत आरक्षण लागू करने अथवा इसे लागू होने तक योजना स्थगित रखने और विद्यार्थी मित्रों व पंचायत सहायकों को नियमित कर (आरएसआर) के तहत लाभ देने की मांग की गई है। साथ ही पात्र एसी/एसटी/ओबीसी विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति बढ़ाने और वर्ष 2027 की बोर्ड परीक्षा शुल्क में की गई बढ़ोतरी वापस लेकर अतिरिक्त राशि लौटाने का आग्रह किया गया। संगठन ने 1997 से अब तक के रोस्टर रजिस्टर संधारण, बैकलॉग पूर्ति और स्थानांतरण में पारदर्शी नीति लागू करने की मांग रखी। पिछले आठ वर्षों से लंबित तृतीय श्रेणी शिक्षकों के स्थानांतरण शीघ्र करने और असाध्य रोग से पीड़ित, विधवा, परित्यक्ता व एकल महिला शिक्षकों को राहत देने पर विशेष जोर दिया गया। इसके अलावा पिछले छह सत्रों से लंबित तृतीय श्रेणी शिक्षकों की डीपीसी सहित सभी संवर्गों की पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने, व्याख्याता भर्ती-2024 की प्रतीक्षा सूची जारी करने और री-शफल परिणाम से प्रभावित लेवल-2 अभ्यर्थियों के समायोजन की मांग की

गई। माध्यमिक शिक्षा व महात्मा गांधी विद्यालयों में नए पद सृजित करने, नवगठित ग्राम पंचायतों में स्कूलों के क्रमोन्नयन और सभी उच्च माध्यमिक विद्यालयों में उपप्राचार्य के पद स्वीकृत करने का आग्रह किया गया है। वित्तीय मामलों में पीडी हैड के शिक्षकों के लिए एकमुश्त बजट जारी करने, 2007-08 भर्ती के शिक्षकों की वेतन विसंगति दूर करने, बीएड इंटर्नशिप अवधि के नियोजित वेतन भुगतान और स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूलों में सत्र 2026-27 की रुकी हुई नियुक्ति प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग शामिल है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री रघुवीर रांगेरा और जिला सभा अध्यक्ष शैलेश कणिक ने किया। ज्ञापन की प्रतियां मुख्य सचिव, राजस्थान अनुसूचित जाति आयोग अध्यक्ष, स्कूल शिक्षा के अतिरिक्त मुख्य सचिव तथा माध्यमिक शिक्षा निदेशक को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी गई हैं।

राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का दो दिवसीय जिला शैक्षिक सम्मेलन कुंवारिया में संपन्न

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। राउमावि कुंवारिया में राजस्थान पंचायतीराज एवं माध्यमिक शिक्षक संघ का दो दिवसीय जिला अधिवेशन ब्लॉक राजसमंद एवं कुंवारिया के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व ब्लॉक शिक्षा अधिकारी सत्यदेव शर्मा, विशिष्ट अतिथि फियावड़ी प्रधानाचार्य राकेश कुमार चपलोत, समाजसेवी गणेश पोरवाल, जिलाध्यक्ष महेंद्रसिंह, प्रदेश संगठन मंत्री भगवत आमेटा, प्रदेश महिला संयोजिका कृष्णा यादव, प्रदेश कोषाध्यक्ष मनोज कुमार शर्मा, जिला सभाध्यक्ष रामचरण सिंह, जिला उप-सभाध्यक्ष भरत मीणा, जिला सम्मेलन संयोजक दशरथ आमेटा, राजसमंद ब्लॉक अध्यक्ष भरत आमेटा, कुंवारिया दशरथ आमेटा, देवगढ़ भगवानसिंह चुंडावत,

आमेट भगवानलाल भील, रेलमगरा भेरूसिंह राजपूत एवं शिक्षक नेता सुरेश वीरवाल थे। मुख्य वक्ता राकेश कुमार चपलोत ने शिक्षकों से संगठन में एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि सत्यदेव शर्मा ने संघे शक्ति कलियुगे का संदेश देते हुए शिक्षकों को अपनी जायज मांगों की प्राप्ति के लिए संगठित रहने के लिए प्रेरित किया। सम्मेलन के दौरान वक्ताओं ने शिक्षकों की प्रमुख मांगों पर विस्तार से चर्चा की। इसमें तृतीय श्रेणी अध्यापकों के स्थानांतरण खोलने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों की लंबित डीपीसी पूर्ण करने, वर्ष 2007 में नियुक्त अध्यापकों की वेतन विसंगति दूर करने, टीईटी की बाध्यता समाप्त करने तथा वर्ष 2002 के बाद दो से अधिक संतान होने पर चयनित वेतनमान पर पड़े प्रभाव वाले आदेश को वापस लेने की मांग उठाई गई। इसके अलावा शिक्षकों को बीएलओ सहित अन्य गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने और पे-प्रोटेक्शन की वसूली पर तुरंत रोक लगाने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विमला आमेटा, संजू शर्मा, विनोद बोहरा, चंद्र प्रकाश साहू, कन्हैयालाल, सुरेश जाट, सुरेश अहीर, राजेंद्र सालवी, सुनील शर्मा, गोवर्धन पुर्बिया, भूपेंद्र नंदवाना, हेमलता माली, भेरूलाल सालवी, गोपीलाल रेगर, पीयूष आमेटा, राकेश मीणा, विक्रम सिंह एवं राकेश आमेटा सहित पदाधिकारी व शिक्षक मौजूद थे।

शिक्षक समर्थ भारत के निर्माण का आधार : डॉ. सुनील

जयवर्द्धन न्यूज़

देलवाड़ा। शिक्षक देश का भविष्य निर्माता होता है। जैसे संस्कार वह बालकों में विकसित करेगा, वैसा ही भविष्य का भारत होगा। समर्थ व शक्तिशाली भारत का आधार शिक्षक ही हैं। समाज में एकता, बंधुता और समरसता का वातावरण बनाते हुए अपने आदर्श व प्रेरक चरित्र के माध्यम से आगामी पीढ़ी में राष्ट्रभक्ति का भाव निर्मित करना शिक्षक की मूल जिम्मेदारी है। ये विचार राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रचार प्रमुख डॉ सुनील खटीक ने व्यक्त किए। वे देलवाड़ा खंड के राउमावि शिशवी में आयोजित अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के दो दिवसीय जिला स्तरीय शैक्षिक सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। डॉ सुनील ने संत रविदास के 650वें जन्म वर्ष का उल्लेख करते हुए उनके जीवन दर्शन को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ज्ञान और अनुभव को किसी जाति या वर्ग के बंधन में नहीं बांधा जा सकता। संत रविदासजी प्रभु भक्ति में इतने लीन थे कि आज भी जनमानस में उनका स्थान अमर है। मीराबाई ने भी उन्हें अपना गुरु बनाकर भक्ति पथ पर अमरता प्राप्त की। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष शंकर माली ने की, जबकि प्रदेश प्रार्थना प्रकोष्ठ सह-संयोजक जयमाला पानेरी पर्यवेक्षक के रूप में मौजूद थी। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी संजय चौबीसा, सीबीईओ कमलेन्द्र सिंह राणावत तथा अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी छगन पूर्बिया मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। तत्पश्चात देलवाड़ा खंड अध्यक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़, पालक मनोज पालीवाल, मंत्री शूरवीर सिंह झाला, हेमंत पालीवाल, केसर सिंह राठौड़ व आलोक शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

वार्षिक प्रतिवेदन व संगठनात्मक चर्चा

जिला मंत्री हरिओमसिंह चुंडावत ने सम्मेलन की भूमिका रखते हुए वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया और वर्षभर की संगठनात्मक गतिविधियों की रूपरेखा सामने रखी। जिला शिक्षा अधिकारी चौबीसा ने शिक्षकों से पूर्ण समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। जिलाध्यक्ष माली ने संगठन द्वारा शिक्षक हितों के लिए किए गए कार्यों का ब्योरा दिया और टीम भावना से कार्य करने पर जोर दिया।

सम्मेलन में संभाग महिला संगठन मंत्री वीणा वैष्णव, विभाग संगठन मंत्री नारायण सिंह चुंडावत, पूर्व जिलाध्यक्ष यशवंत जोशी, राजेंद्रसिंह चुंडावत, जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्रसिंह चारण, शिवदास वैरागी, संगठन मंत्री कल्पना खंडेलवाल, सतीश आचार्य, डॉ तरुणा सनाढ्य, सुजीत कुमार त्रिपाठी, डॉ भगवतसिंह राठौड़, कर्मचारी महासंघ जिलाध्यक्ष कैलाश शर्मा, राजेशसिंह राठौड़, बसंत पालीवाल, जयरामसिंह गहलोत, मनोज राजवा, मुकेश सुथार, भावना पालीवाल सहित शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद थे।

राज्यावास में आज से शुरू होगी 35वीं जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती राज्यावास कस्बे के राउमावि में रविवार सुबह 9:30 बजे से 35वीं जिला स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ होने जा रहा है। विद्यालय प्रधानाचार्य ब्रजेश कुमार आचार्य ने बताया कि 17 एवं 19 वर्ष छात्र-छात्रा वर्ग की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता को लेकर पूरे कस्बे में खेल प्रेमियों और ग्रामीणों में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी ग्रामवासी विभिन्न व्यवस्थाओं को संभालने में पूरी तल्लीनता से जुटे हुए हैं। इस रोमांचक खेल महाकुंभ का उद्घाटन समारोह बेहद गरिमामयी होगा, जिसमें राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़ मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला शिक्षा अधिकारी संजय कुमार चौबीसा करेंगे, जबकि विधायक दीप्ति महेश्वरी अति विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगी। इनके अलावा राज्यावास प्रशासक दीपमाला विक्रमसिंह भाटी और भाजपा जिलाध्यक्ष जगदीश पालीवाल विशिष्ट अतिथि होंगे। समारोह को पूर्व प्रधान अरविंदसिंह राठौड़, अतिरिक्त ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजेश गोराना तथा पूर्व जिला परिषद सदस्य लीलादेवी तेली का विशेष सानिध्य प्राप्त होगा। प्रतियोगिता के सुचारू संचालन के लिए भगवतीलाल मेनारिया को मुख्य रेफरी नियुक्त किया गया है, जिनकी देखरेख में जिलेभर से आने वाली विभिन्न टीमें मैदान पर अपनी खेल प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन करेंगी।

खमनोर में विकसित भारत जन सेवा अभियान शिविर आयोजित

- ग्रामीणों को मौके पर ही विभिन्न योजनाओं का मिला लाभ
- जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बृजमोहन बैरवा रहे मुख्य अतिथि
- अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं का किया त्वरित समाधान

जयवर्द्धन न्यूज़

खमनोर। विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत खमनोर में आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि जिला परिषद के सीईओ बृजमोहन बैरवा, विशिष्ट अतिथि एसीईओ डॉ सुमन अजमेरा, उपखंड अधिकारी भागीरथ सिंह, तहसीलदार सुरेश नाहर सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा ग्रामीणों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं सेवाओं से मौके पर ही लाभान्वित किया गया तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्रदान करने के साथ ही विभिन्न प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न विभागों से संबंधित अपनी समस्याएं एवं आवेदन अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किए। अधिकारियों एवं विभागीय कार्मिकों द्वारा प्रकरणों की मौके पर ही जांच एवं आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए पात्र व्यक्तियों को योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ उपलब्ध कराया गया। शिविर में राजस्व, पंचायतीराज, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, कृषि सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद थे।

हाथों-हाथ मिला समस्याओं का समाधान

सीईओ बैरवा ने शिविर में उपस्थित ग्रामीणों से संवाद करते हुए उनकी समस्याओं की जानकारी ली तथा संबंधित अधिकारियों को प्रकरणों का संवेदनशीलता एवं प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य पात्र व्यक्ति तक समयबद्ध रूप से लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य से आयोजित शिविरों में ग्रामीणों को अपने कार्यों के लिए अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ें, इसके लिए विभागीय अधिकारी आपसी समन्वय के साथ मौके पर ही आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। शिविर के दौरान ग्रामीणों में सरकार की विभिन्न योजनाओं के प्रति जागरूकता भी बढ़ाई गई तथा पात्र व्यक्तियों को योजनाओं के लिए आवश्यक दस्तावेज एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी गई। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ प्राप्त किया। ग्रामीणों ने गांव में ही विभागीय अधिकारियों की

उपस्थिति में समस्याओं के समाधान एवं योजनाओं का लाभ मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

वयोवृद्ध काश्तकार हीरालाल ब्राह्मण को मौके पर राहत

103 वर्षीय वयोवृद्ध काश्तकार हीरालाल ब्राह्मण की पुश्तैनी कृषि भूमि के आपसी सहमति से विभाजन की प्रक्रिया मौके पर ही पूर्ण कर आदेश जारी किया गया। 103 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हीरालाल ब्राह्मण की इच्छा थी कि उनके जीवनकाल में ही परिवार के सभी सदस्यों के मध्य पुश्तैनी कृषि भूमि का सहमति से विभाजन हो जाए, ताकि भविष्य में परिवार के सदस्यों के बीच किसी प्रकार का विवाद उत्पन्न न हो। इसी उद्देश्य से वे अपने परिजनों के साथ ग्राम खमनोर में आयोजित शिविर में पहुंचे और अपनी समस्या अधिकारियों के समक्ष रखी।

अधिकारियों ने वयोवृद्ध काश्तकार की आयु एवं उनकी भावना को ध्यान में रखते हुए राजस्व प्रकरण का प्राथमिकता से निराकरण करने के निर्देश दिए। निर्देशों की पालना में डॉ सुरेश नाहर एवं राजस्व टीम ने परिवार के सभी संबंधित सदस्यों की उपस्थिति में प्रकरण की जानकारी ली तथा आपसी सहमति से भूमि विभाजन की प्रक्रिया पूर्ण करवाई। राजस्व टीम द्वारा अभिलेखों का परीक्षण एवं आवश्यक विधिक प्रक्रिया पूर्ण करते हुए सभी वारिसों के हक एवं हिस्सों का निर्धारण किया गया। परिवार के सभी सदस्यों ने आपसी सहमति व्यक्त की, जिसके बाद मौके पर ही भूमि के सहमति विभाजन का आदेश जारी कर उसकी प्रति हीरालाल ब्राह्मण को सुपुर्द की गई।

14 वर्षीय जिला स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता आज से

- मैदान को दुल्हन की तरह सजाया

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती स्थित राउमावि एमडी में रविवार से जिला स्तरीय 14 वर्षीय छात्र-छात्रा लॉन टेनिस प्रतियोगिता का आगाज हो रहा है। जिले के राजकीय विद्यालयों में एकमात्र लॉन टेनिस मैदान उपलब्ध होने के कारण प्रतियोगिता की तैयारियों को अंतिम रूप दे दिया गया है और खेल मैदान को दुल्हन की तरह सजाया गया है। विद्यालय प्रधानाचार्य एवं पंचायत शिक्षा अधिकारी भानु कुमार वैष्णव ने बताया कि शिक्षा विभाग की 14 वर्षीय जिला स्तरीय लॉन टेनिस प्रतियोगिता 20 से 23 सितंबर तक

आयोजित की जाएगी। इसमें जिले के विभिन्न सरकारी एवं निजी स्कूलों के वे छात्र-छात्राएं भाग लेंगे, जिन्होंने पूर्व में ऑनलाइन पंजीकरण कराया है और अपनी पात्रता फाइल तीन प्रतियों में जमा कराई है। विद्यालय के वरिष्ठ शारीरिक शिक्षक धर्मेंद्र अनोखा ने जानकारी दी कि निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा (बीकानेर) के जारी पंचांग आदेशानुसार इस प्रतियोगिता के आयोजन का दायित्व स्थानीय विद्यालय को मिला है। प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए कोर्ट का रंग-रोगन, साफ.-सफाई तथा नई नेट बांधकर मैदान को पूरी तरह तैयार किया गया है। प्रतियोगिता में मुख्य निर्णायक तथा संयोजक चयन समिति (छात्र-छात्रा वर्ग) के रूप में राउप्रावि नौगामा के शारीरिक शिक्षक कुलदीप चौधरी को प्रतिनियुक्त किया गया है। अनोखा ने बताया कि एमडी विद्यालय की 17 एवं 19 वर्ष छात्रा वर्ग की टीम इस वर्ष द क्रिएटिव ब्रेन एकेडमी मजा (राजसमंद) में आयोजित जिला स्तरीय स्पर्धा में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन करेगी। 17 वर्ष आयु वर्ग की टीम में दिशा कुमावत, प्रियंका गुर्जर, कुमुद कीर, ट्विंकल राव और माया सालवी का चयन हुआ है। वहीं 19 वर्ष आयु वर्ग में टीना रेगर, चेतना सुथार, माही सुथार, ऋतु कुमावत और नीलम भील विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगी।

सेवा शिविर में उपचार से पदयात्रियों को मिला सुकून, खुशी से बढ़ रहे गंतव्य पर

- सेवाली क्षेत्र में सेवा स्थल पर आवभगत में जुटे है कार्यकर्ता

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। गढ़बोर-चारभुजानाथ में जलझूलनी एकादशी के उपलक्ष्य में दर्शन के लिए जाने वाले पदयात्रियों की सेवा-सुश्रुषा के लिए हरिहर सेवा संस्थान की ओर से राजमार्ग स्थित सेवाली मोड़ पर चल रहे निःशुल्क शिविर में आवभगत के साथ मिल रहा फिजियोथैरेपी उपचार श्रद्धालुओं के लिए काफी सुकूनदायी साबित हो रहा है। शनिवार को दिनभर जत्थों के साथ बड़ी संख्या में पदयात्रियों ने पहुंच कर का लाभ उठाया। संस्थान अध्यक्ष व समाजसेवी श्यामसुन्दर नवाल के सान्निध्य में चल रहे शिविर स्थल पर कार्यकर्ता पदयात्रियों की आवभगत के साथ जलपान कराकर सेवा-सुश्रुषा में जुटे हुए है। इससे श्रद्धालु काफी अभिभूत हो रहे है। शिविर में विशेषयह कि पदयात्री

आवभगत से कहीं अधिक सुकून शिविर स्थल पर मिल रहे फिजियोथैरेपी उपचार से पा रहे है। शिविर में जहां सेवा सत्कार की व्यवस्था है वहीं सुव्यवस्थित ढंग से फिजियोथैरेपी उपकरण मौजूद है जहां कार्यकर्ता उन्हें राहत दे रहे है। सेवा स्थल पर पदयात्रियों के लिए सामान्य उपचार की व्यवस्था है। लम्बी पदयात्रा के कारण होने वाली थकान, पैरों में जकड़न, मांसपेशियों में दर्द, खिंचाव एवं पैदल चलने से पैरों में होने वाले छालों का उपचार किया जा रहा है। मन्दसौर, नीमच, रतलाम व इन्दौर, उदयपुर आदि स्थानों से लम्बी यात्रा कर पहुंच रहे अधिकांश श्रद्धालु पैरों में दर्द व मांसपेशियों में खिंचाव, छालों आदि के कारण काफी आहत महसूस करते है लेकिन शिविर में उपचार मिलने पर वे तरोताजा महसूस कर गंतव्य के लिए प्रस्थान कर रहे है। शनिवार को ऐसे यात्री भी आए जिनके लिए अब ओर पैदल चलना मुश्किल लग रहा था। कुछ श्रद्धालु ऐसे भी थे जो यहीं से पुनः लौटने का मानस बना चुके थे परन्तु शिविर में उन्हें उपचार मिलने के बाद वे खुश होकर चारभुजा के लिए रवाना हुए। सोमवार को जलझूलनी एकादशी की पूर्व संध्या तक शिविर जारी रहेगा। शिविर में समाजसेवी श्यामसुन्दरर नवाल के साथ हिमांशु नवाल, नाथूसिंह दौलतपुरा, प्रकाशबाई, कमलाबाई, मंजूलता, दर्शना नवाल आदि कार्यकर्ता सेवाएं दे रहे है। इस दौरान भारत विकास परिषद के कई पदाधिकारियों ने सेवा स्थल का अवलोकन कर व्यवस्थाओं की सराहना की तथा कहा कि धार्मिक यात्रा पर जाने वालों की सेवा-सुश्रुषा पुण्यदायी कार्य है।

संक्षिप्त खबरें

गवरी में गूंज्यो टीकाकरण रो संदेश

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। अर्पण सेवा संस्थान द्वारा संचालित जीरो डोज परियोजना अंतर्गत मेवाड़ की लोक संस्कृति और पारंपरिक गवरी के माध्यम से शिशु टीकाकरण का महत्वपूर्ण संदेश ग्रामीणों तक पहुंचाया गया। ब्लॉक समन्वयक प्रकाश चंद्र खटीक ने बताया कि गवरी कलाकारों ने अपनी लोक कला और संवाद के माध्यम से समुदाय को समझाया कि जन्म के बाद बच्चों का समय पर पूरा टीकाकरण करवाना जरूरी है। गवरी के दौरान कलाकारों ने मेवाड़ी भाषा में संदेश देते हुए कहा कि बालक ने समय पर टीका लगावो, बीमारी सूं बचावो अर स्वस्थ भविष्य बनावो। ग्रामीणों को नियमित टीकाकरणए छूटे हुए टीकों को पूरा करवाने तथा स्वास्थ्य कर्मियों से संपर्क रखने के लिए प्रेरित किया गया। इस पहल का उद्देश्य लोक संस्कृति को जनजागरूकता से जोड़कर शिशु टीकाकरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कोई भी बच्चा टीकाकरण से वंचित न रहे, यह सुनिश्चित करना है।

मंगल स्नान यात्रा के साथ गणपति महोत्सव का समापन

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। उपनगर क्षेत्र धोइंदा में गणपति महोत्सव की धूम और भगवान गणेश की आराधना के साथ विविध धार्मिक अनुष्ठानों, गवरी नृत्य एवं सांस्कृतिक संध्या के आयोजन के बाद शोभायात्रा, मंगल स्नान के साथ संपन्न हुई। श्रीगणेश मित्र मंडल धोइंदा द्वारा चार दिवसीय गणपति महोत्सव का आयोजन श्रीगणेश चौराहा धोइंदा में किया गया। महोत्सव के प्रथम दिन संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन हुआ। दूसरे दिन विशाल भक्तिमय सांस्कृतिक संध्या आयोजित की गई, जिसमें स्थानीय कलाकारों, विद्यालयी विद्यार्थियों एवं गांव के बालक-बालिकाओं ने राजस्थानी नृत्य एवं देशभक्ति पर आधारित बॉर्डर का प्रतीक स्वरूप मंचन पेश किया, जिसे आमजन ने बेहद सराहा। महोत्सव के तीसरे दिन भाणा गांव की गवरी नृत्य की प्रस्तुति दी गई, जिसका मंचन देर रात तक चला। चौथे और अंतिम दिन विशाल मंगल स्नान शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा गांव के मुख्य बाजार से होती हुई तलाई क्षेत्र पहुंची।

शोभायात्रा में प्रदर्शित विभिन्न मनमोहक झांकियां आमजन के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। धातु से निर्मित गणेश प्रतिमा का विधिवत आरती के पश्चात मंगल स्नान कराया गया और पुनः प्रतिमा को उसके पारंपरिक स्थान पर प्रतिष्ठित किया गया।

कुंवाथल में जिला स्तरीय रग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता आज से

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। माध्यमिक शिक्षा विभाग की 17/19वर्ष छात्र छात्रा रूग्बी फुटबॉल प्रतियोगिता रविवार से राउमावि कुंवाथल के खेल मैदान में आयोजित होगी। विद्यालय शारिरिक शिक्षक जितेंद्र सिंह व नितिन तिवारी ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में जिले की 40 टीम के 429 खिलाड़ी भाग लेंगे। विद्यालय के प्रधानाचार्य गणेश राम बुनकर ने बताया कि 20 से 23 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए कुवाथल गांव के सभी ग्रामीण सहयोग दे रहे हैं। साथ ही प्रतिनियुक्त स्टाफ भी मैदान बनाने व कार्यालय कार्य मे सहयोग दे रहा है। प्रतियोगिता का उद्घाटन समारोह रविवार को सुबह 9:30 बजे विद्यालय के खेल मैदान बीज खानी में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी नूतन प्रकाश जोशी व मुख्य खंड शिक्षा अधिकारी दयानंद की अध्यक्षता, विशिष्ट अतिथि महंत हरि दास महाराज पशुपति नाथ मंदिर आड़ावाला व महंत बालक पूरी महाराज के आतिथ्य में रहेगा।

संक्षिप्त खबरें

गणपति विसर्जन पर उमड़ा जनसैलाब बैंड-बाजों की धुन पर निकली शोभायात्रा

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती गांव मोही में पिछले पांच दिनों से चल रहे गणपति महोत्सव का शनिवार को हर्षोल्लास के साथ समापन हुआ। आचार्य निरंजन नाथ चौराहा, पुर्बिया मोहल्ला, खटीक मोहल्ला और पथवारी मोहल्ला में स्थापित गणपति प्रतिमाओं के समक्ष विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। कहीं गवरी का मंचन हुआ तो कहीं भजन-भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। शनिवार को गणपति प्रतिमाओं की विशेष पूजा-अर्चना के साथ हवन एवं यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं ने आहुतियां देकर सुख-समृद्धि की कामना की। इसके बाद सुबह करीब 11 बजे से विसर्जन शोभायात्रा शुरू हुई, जो शाम करीब 4 बजे तक कस्बे के प्रमुख मोहल्लों से होकर निकली। शोभायात्रा में बैंड-बाजों की धुन पर श्रद्धालु भगवान के भक्ति गीतों पर झूमते नजर आए। युवक-युवतियों ने नृत्य करते हुए उत्साह जताया।

मनाई महर्षि दधीचि जयंती पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं और प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय के समीपवर्ती पीपली आचार्यन में आचार्य समाज द्वारा शनिवार को सती माता मंदिर परिसर स्थित महर्षि दधीचि मंदिर में दधीचि जयंती मनाई गई। महर्षि दधीचि जनकल्याण संस्थान (उदयपुर संभाग) के अध्यक्ष डॉ रामस्वरूप आचार्य ने बताया कि प्रातःकाल भगवान महर्षि दधीचि की प्रतिमा का दुग्धाभिषेक कर सामूहिक पूजा-अर्चना एवं आरती की गई। दोपहर में बच्चों एवं समाजजनों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। चित्रकला (जूनियर वर्ग) में शिवि आचार्य प्रथम, ऋषिधा व युवान द्वितीय तथा रियांशी तृतीय रहे। सीनियर वर्ग में शाम्भवी प्रथम, नयन द्वितीय और उत्कर्ष तृतीय स्थान पर रहे। महिला कुर्सी रेस में कैलाश देवी प्रथम, सीमा द्वितीय व ज्योत्सना तृतीय रहीं, जबकि पुरुष वर्ग में चंद्रशेखर प्रथम, लादूलाल द्वितीय व डॉ नरेंद्र तृतीय रहे। समारोह में वर्षभर में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं-आशुतोष, डॉ आदित्य, वैभव, पंकज, डॉ रुद्राक्ष, मोहित, ब्रजेश, दिव्यांश, उदल, महेश, लिपिश, भरत व विशाल आचार्य को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। साथ ही समाज के वरिष्ठ जनों का बहुमान हुआ। लादूलाल आचार्य ने महर्षि दधीचि के त्याग और अस्थि दान के वृत्तांत के बारे में बताते हुए राष्ट्र व समाज हित में कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में परमेश्वर आचार्य, हेमंत, कृष्णबिहारी, राजीव लोचन, बद्रीप्रसाद त्रिपाठी सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे। संचालन कैलाश आचार्य ने किया।

श्री द्वारकाधीश मंदिर में धूमधाम से मनाया श्री राधाजी का जन्मोत्सव

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास के प्रसिद्ध श्रीद्वारकाधीश मंदिर में राधाष्टमी उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राधाष्टमी पर सुबह 6:45 बजे मंगला के दर्शन खुले। श्रृंगार दर्शन में प्रभु श्री द्वारकाधीश को केसरिया रंग के विशेष वस्त्र (वागा चाकदार, अतलस की सूथन, लाल-हरे पाट के ठाड़े वस्त्र) और मस्तक पर केसरिया कुल्हे धारण कराई गई। प्रभु का माणिक, हीरा और ग्यारह चंद्रिका के विशेष आभूषणों से मनमोहक श्रृंगार किया गया। दर्शनों के दौरान रतन चौक श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा और पूरा मंदिर परिसर जय राधे-जय राधे तथा जय द्वारकाधीश के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्रृंगार दर्शन के समय रतन चौक में बालिकाओं ने राधा-कृष्ण का रूप धारण कर आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किए और भजनों की प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। दोपहर करीब 12 बजे ढोल-नगाड़ों, शंख और थाली-मादल की मधुर ध्वनि के बीच राजभोग के दर्शन खुले, जिसमें वैष्णव जन झूमकर नाचने लगे। राधाष्टमी उत्सव के कारण उत्थापन दर्शन नहीं हुए। सायंकाल भोग दर्शन के दौरान मंदिर में पारंपरिक ढांढ़ी लीला का आयोजन हुआ। इसमें निज तिबारी में ढाढ़ा और ढाढ़ी का स्वांग रचे सुसज्जित पात्रों ने प्रभु को अपनी भक्ति से रिझाया। ढांढ़ी के रूप में मुख्य कीर्तनकार प्रमोद चारण और ढांढ़ीन के रूप में घनश्याम वैष्णव ने नृत्य कर नंदबाबा के द्वार पर श्री राधाजी के जन्म की बधाई देने का भाव प्रकट किया।

दशलक्षण पर्वः रिद्धि मंत्रो के साथ हुआ भक्तामर विधान

- काया की शुचिता से बढ़कर होती है अंतर्मन की शुचिता
- जप-तप, व्रत-उपवास व स्वाध्याय में झलक रहा उत्साह

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। जिला मुख्यालय पर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में चल रहे दशलक्षण महापर्व के चौथे दिन शनिवार को उत्तम शौच धर्म मनाया गया जहां धर्मावलम्बियों ने सेवा-पूजा व साधना करते हुए धर्म पालन का संकल्प लिया वहीं अनुष्ठानों की कड़ी में अष्टमी पर भक्तामर विधान हुआ तथा पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में निर्माण लड्डू चढ़ाया गया। महापर्व अन्तर्गत तय कार्यक्रम अनुरूप सुबह मंदिर में पूजा विधान शुरू हुए जिसमें समाजजन उत्साह से शामिल हुए। दिगम्बर जैन समाज अध्यक्ष कमल कुमार जैन सहित सदस्यों के सान्निध्य में जैन शास्त्रकार संस्थान से आए पं. आयुष जैन ने विधि अनुसार सभी अनुष्ठान सम्पादित कराए। प्रारम्भ में मंत्रोच्चार के साथ शांतिनाथ प्रभु का अभिषेक किया गया। इसके बाद शांतिधारा अनुष्ठान हुआ जिसमें प्रभु सेवा के लाभार्थियों ने मंत्रोच्चारण के बीच पूजा विधान पूर्ण किया। इस दौरान

अन्य क्रियाएं भी हुई। अनुष्ठानों के दौरान धार्मिक मान्यता अनुसार पुष्पदंत भगवान के मोक्ष कल्याणक के उपलक्ष्य में निर्माण लड्डू चढ़ाया गया। इसके तहत विशेष पूजा विधान हुआ एवं भक्ति भाव से अनुष्ठान पूर्ण करते हुए उक्त लड्डू चढ़ाया गया। साथ ही अष्टमी के उपलक्ष में संध्या वेला में रिद्धि मंत्रो के साथ भक्तामर विधान हुआ। इसमें समाजजनों ने स्त्रोत के साथ श्रद्धापूर्वक पाठ किया। पर्युषण अन्तर्गत समाज में जप-तप के साथ व्रत-उपवास, स्वाध्याय आदि को लेकर खासा उत्साह है तथा धर्मावलम्बी अपनी श्रद्धा अनुसार व्रत उपवास कर रहे हैं। बच्चे भी इसमें रूचि लेकर तप कर रहे है।

पूजा विधानों में लिया धर्मलाभ

समाज के महामंत्री सुनील जैन ने बताया कि प्रभु के अभिषेक में महावीर प्रसाद, कमल कुमार, मुकेश, तपेश जैन एवं शांतिधारा अनुष्ठान में अनिल, निशा, निशांत, विभा, विहान एवं वाणी गोधा परिवार, महावीर प्रसाद कमल जैन परिवार, भंवरलाल गुणमाला, ललित, पीयूषा, दिलीप, हेमलता, नीरज व डिम्पल कोड़िया परिवार तथा राजेंद्र कुमार, सरोज, सुनील, अनिल जैन परिवार ने धर्मलाभ लिया वहीं आरती में महावीर प्रसाद, कमल कुमार जैन परिवार व सौधर्म इन्द्र में सुशील व रितु जैन परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ।

समझाया उत्तम शौच धर्म का भावार्थ

इस दौरान पं. आयुष जैन ने दशलक्षण पर्व की महत्ता समझाते हुए इसमें वर्णित सभी 10 धर्मो के बारे में चर्चा की। उत्तम शौच दिवस के सन्दर्भ में कहा कि मनुष्य की मंजिल श्मशान है लेकिन यह जानते हुए भी वह सफर से लगाव या आसक्ति कर बैठता है जो उसके दुख का कारण बनता है। लोभ व मोह का त्याग करना ही उत्तम शौच है। उत्तम शौच का अर्थ यह है कि हमें किसी भी वस्तु से आसक्ति नहीं करनी चाहिए। जब मनुष्य किसी में मोह रखता है तो वह इस संसार से मुक्ति नहीं पा सकता। काया की शुचिता से बढ़कर अंतर्मन की शुचिता होती है। शौच धर्म यह सिखाता है कि हम लोभ व लालच को दूर कर अपने हृदय में संतोष धारण करें।

राजनगर में दो दिवसीय महेश मेले का शुभारंभ

- महिला सशक्तिकरण और स्वावलंबन का बना मंच

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। शहर के माहेश्वरी भवन में शनिवार को दो दिवसीय महेश मेले का शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महिला संगठन की कोषाध्यक्ष ममता मोदानी ने फीता काटकर किया। उन्होंने समाज की इस अनूठी पहल की सराहना करते हुए इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सार्थक कदम बताया। समारोह में मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष सीमा कोगटा ने दीप प्रज्वलित कर मेले का अवलोकन किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सरोज गट्टानी, पुष्पा राठी, जिलाध्यक्ष चंदा देवपुरा, सचिव राधिका लड्ढा, सुधा राठी, सुशीला असावा, गीता

काबरा, सुनीता लढ़ा, अरुणा सोमानी एवं सुमन न्याती मौजूद थी। संचालन सुमन देवपुरा ने किया। माहेश्वरी महिला मंडल राजनगर की अध्यक्ष कृष्णा लड्ढा एवं सचिव लीला लड्ढा ने बताया कि महिला उद्यमिता और स्वावलंबन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से मेले में 50 से अधिक स्टॉल लगाए गए हैं। इस दौरान माहेश्वरी सेवा समिति राजनगर के अध्यक्ष महेंद्र देवपुरा, सचिव प्रदीप लड्ढा, संपत लड्ढा, सुनीता निष्कलंक, रिंकू लड्ढा, सुशीला लड्ढा व मंजू निष्कलंक सहित कई प्रबुद्धजन मौजूद थे।

उद्घाटन के बाद उमड़ी भीड़ और खरीदार

उद्घाटन के तुरंत बाद मेले में खरीदारों का सैलाब उमड़ पड़ा। अतिथि संगीता हसीजा एवं डॉ कुसुम शर्मा ने भी उत्साहपूर्वक खरीदारी की। मेले में पहले दिन ही ज़बरदस्त रौनक देखने को मिली। मेले के पहले दिन प्रति घंटे लकी ड्रॉ और तंबोला/हौजी प्रतियोगिता ने लोगों का भरपूर मनोरंजन किया। विजेताओं को पानी की बोतल व डांडिया सहित अन्य आकर्षक पुरस्कार वितरित किए गए। बच्चों के लिए बने विशेष खेल क्षेत्र में झूले, रिंग टॉस और गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिताएं आकर्षण का केंद्र रहीं। सचिव लीला लड्ढा ने बताया कि यह मेला रविवार को भी सुबह 10 से रात्रि 9 बजे तक आमजन के लिए जारी रहेगा।

मानसिक स्वास्थ्य माहः अनंता मेडिकल कॉलेज में गेटकीपर ट्रेनिंग आयोजित

- तनाव प्रबंधन और मेंटल हेल्थ पर दिया जोर

जयवर्द्धन न्यूज़

राजसमंद। विश्व मानसिक स्वास्थ्य माह 2026 के तहत चलाए जा रहे जागरूकता अभियानों की श्रृंखला में अनंता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च सेंटर के मनोचिकित्सा विभाग द्वारा पांच-मॉड्यूल आधारित गेटकीपर ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में मेडिकल विद्यार्थियों व स्टाफ को तनाव प्रबंधन और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के तरीके सिखाए गए। ट्रेनिंग के दौरान मनोचिकित्सा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ भरत अग्रवाल ने मन दर्पण और वर्कप्लेस स्ट्रेस मैनेजमेंट मॉड्यूल पर सत्र लिया। उन्होंने मेडिकल विद्यार्थियों के जीवन में मानसिक स्वास्थ्य की अहमियत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किसी भी तनावपूर्ण परिस्थिति में विद्यार्थी स्वयं के लिए अथवा अपने साथियों की मदद के लिए हेल्पलाइन की सेवा ले

सकते हैं। इसी क्रम में प्रोफेसर डॉ सुनील कुमार ने गेटकीपर की भूमिका एवं एग्जाम स्ट्रेस मैनेजमेंट विषय पर प्रशिक्षण दिया। वहीं डॉ राजवी दवे ने मैं अपने दोस्त का साथ देता हूं तथा युवा मन और मेंटल हेल्थ विषयों पर विचार व्यक्त करते हुए युवाओं में मानसिक संबल बढ़ाने पर जोर दिया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं और गतिविधियों का होगा आयोजन

संस्थान के प्रिंसिपल एवं कंट्रोलर डॉ संजय गुप्ता ने बताया कि इस ट्रेनिंग के बाद मनोचिकित्सा विभाग द्वारा विद्यार्थियों और स्टाफ के बीच जागरूकता फैलाने के लिए कई रोचक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनमें रील मेकिंग कॉम्पिटिशन, पोस्टर मेकिंग कॉम्पिटिशन, यूजी साइकियाट्रिक क्विज़ तथा बड़े पैमाने पर डिजिटल मेंटल हेल्थ पर शपथ ग्रहण समारोह शामिल हैं। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉ नितिन शर्मा ने जानकारी दी कि राजस्थान सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम राजममता के तहत अनंता संस्थान में 10 अक्टूबर तक निरंतर विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि इन आयोजनों से मेडिकल एवं नर्सिंग विद्यार्थियों को स्वयं की, अपने सहपाठियों की तथा भविष्य में आने वाले मरीजों की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का बेहतर ढंग से सामना करने में मदद मिलेगी और उनकी कार्यक्षमता व उत्पादकता में वृद्धि होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक ललिता कुंवर के लिये मुद्रक वेदान्त प्रभाकर द्वारा मेधा कप्यूटर्स, नंद भवन, कांवाखेड़ा पार्क के पास, भीलवाड़ा से मुद्रित व ग्राम बागोटा, डाकघर सांगठकला जिला राजसमंद, राजस्थान - 313324 से प्रकाशित । संपादक - लक्ष्मण सिंह राठौड़ । पत्र पंजीयन संख्या आर.एन.आई. RJBIL/26/A5478। सभी प्रकार के प्रसंगो का न्याय क्षेत्र राजसमंद ही रहेगा ।